मासिक पत्रिका अप्रैल 2018

"सब काम धर्मानुसार, अर्थात् सत्य और असत्य को विचार करके करना चाहिए।"-महर्षि दयानन्द सरस्वती

॥ ओ३म् ॥

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.)

ARYA SAMAJ KAILASH-GREATER KAILASH-I (Regd.) Regn. No. 3594/1968

New Delhi-110048 • Tel.: 29240762, 46678389 • E-mail : samajarya@yahoo.in • Web.: www.aryasamajgk1.org

An ISO 9001:2015 Certified Institution

विजय लखनपाल	विजय भाटिया	अमर सिंह पहल
प्रधान	मंत्री	कोषाध्यक्ष

कुछ तड़प-कुछ झड़प

-प्रा. राजेन्द्र 'जिज्ञासु' **साभार:** 'परोपकारी', जनवरी (प्रथम) 2018

विदेशों में वेद प्रचार के इतिहास के **प्रेरक** प्रसंग-दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के कार्यालय से चलभाष पर, इस सेवक को याद करके पूछा गया कि विदेशों में वेद-प्रचार करने वाले **पुराने** विद्वानों, धर्मवीरों के कुछ नाम बतायें। मुझे दिल्ली सभा ने एक करणीय कार्य के लिए याद किया-यह मेरा सौभाग्य। मैं एक साथ कई कार्य लेकर उन पर कार्यरत रहता हूँ। चलभाष पर ऐसे महत्त्वपूर्ण विषय पर विस्तार से आवश्यक जानकारी नहीं दी जा सकती। परन्तु आजकल हर कोई गम्भीर विषय पर बात छेड़कर, सब कुछ चलभाष पर ही जानना चाहता है।

मैंने उन्हें बताया कि आप और हम आमने-सामने हों तो हर पहलू पर प्रकाश डाल सकता हूँ। कुछ नाम बताये भी, यथा-दिल्ली के पूजनीय स्वामी **विज्ञानानन्द** जी ने **मॉरिशस** में जो कार्य किया उसकी दिल्ली में कौन चर्चा करता है? विदेशों में धर्मप्रचार पर दो अत्युाम पुस्तकों के नाम भी बताये। **मेहता जैमिनी** जी लिखित 'विदेशों में वेद प्रचार का इतिहास' अपने विषय की अत्युत्तम पुस्तक है। पूज्य स्वामी **स्वतन्त्रानन्द** जी महाराज की वेद-प्रचारार्थ **विदेश** यात्राओं की पुस्तक भी एक अनूठी प्रेरणाप्रद पुस्तक है।

आज विदेशों में चक्कर लगाने वाले तो बहुत हैं, परन्तु **डॉ. चिरञ्जीव** जी, भाई परमानन्द जी, पं. चमूपति जी, पं. अयोध्या प्रसाद जी, स्वामी **सत्यप्रकाश** जी-जिनकी चर्चा होनी चाहिये, **होती नहीं**।

दिल्ली सभा का आदेश सुनकर 'तड़प-झड़प' में इस विषय पर **कुछ अंकों** में लिखने का तत्काल निश्चय कर लिया। पूज्य स्वामी स्वतन्त्रानन्द जी महाराज का, ऋण चुकाने का दिल्ली सभा ने एक अवसर दे दिया। इस प्रलोभन का संवरण नहीं किया जा सकता।

वे दो दीवाने मिशनरी-पाठक यह उपशीर्षक पढ़कर चौकं जायेंगे। विदेशों में ऋषि मिशन का डंका सन् 1893 में बजाने वाले ये दो दीवाने कौन थे? जब अमेरिका के **शिकागो** सम्मेलन में भाग लेने, स्वामी विवेकानन्द जी गये थे, तब **पं. लेखराम** के दो दीवाने **श्री जेन्दाराम** तथा **श्री सिद्धूराम** भी जैसे-तैसे मजदूरी करके अमेरिका पहुँच गये। ये दोनों मात्र **मैट्रिक** पास थे। ये पं. गुरुदत्त जी, श्री शहीद जी, सरशार जी, मान्य शरर जी की धरती मुजफ़्फर गढ़ (पश्चिमी पंजाब) के अनुभवहीन आर्यवीर थे। जलपोत के इंजन में कोयला डालने की मज़दूरी करते हुये नि:शुल्क, अमेरिका पहुँच गये।

पं. गुरुदत्त जी का साहित्य लेते गये। उन दिनों अमेरिका में पुस्तकें पढ़कर सुनाने की प्रथा थी। ये सिरफिरे आर्यवीर वहाँ पं. गुरुदत्त जी के **उपनिषद् पढ़-पढ़कर** सुनाने लगे। सारे अमेरिका में इन्होंने पं. गुरुदत्त की धूम मचा दी। उनके उपनिषदों की **भारी माँग** होने लगी। पंजाब प्रतिनिधि सभा ने इनका शिकागो संस्करण छपवाकर वितरण करने के लिये अमेरिका भेजा। उस संस्करण की एक दुर्लभ प्रति मैंने खोज निकाली। अब 'परोपकारिणी सभा' को भेंट कर दी है। आर्य सज्जनों इन आर्य धमवीरों की कृपा से एक **अमेरिकन** ने पं. गुरुदत्त जी के उपनिषदों का संस्करण निकाला। इसे कहते हैं प्रचार। अमेरिका में ऋषि मिशन का सबसे पहले **डंका**

बजाने वाले यही दो धर्मवीर थे। सिद्धूराम तो लगभग एक वर्ष रहकर स्वदेश लौट आये। **जेन्दाराम** जी ने तो साढ़े तीन वर्ष वहाँ प्रचार किया। मैं इनके बारे में लम्बे समय तक खोज करता रहा। जेन्दाराम जी वहाँ से **बिजली** से चिकित्सा करना सीख आये। अब डॉ. जेन्दाराम कहलाने लगे थे। जो कुछ मेहता जैमिनी जी, और पं. शान्तिप्रकाश जी के मुख से सुना था, उसका सार लिख दिया है। मैं लेखों व पुस्तकों में भी इनका चर्चा करता चला आ रहा हूँ। शेष अगले अंक में-

लेखराम के लाल तुम्हारी जय हो जय हो।
भूमण्डल पर धर्म वेद की सदा विजय हो॥
लेकर नाम तुम्हारा हम मस्ती से फूलें।
सिद्ध सिद्धू और जेन्दा को हम कभी न भूलें॥

ऋषि दयानन्द की रंगत-पूज्य **पं. गंगा प्रसाद जी उपाध्याय** ने महर्षि दयानन्द के **संसार** पर प्रभाव, और वैदिक धर्म की **रंगत** पर एक मार्मिक बात लिखी है। भूमि विनोद मिश्रा जी आर्य समाजी के पास, मेरा बहुत सा साहित्य है। उनसे मिलिये। मिल सकती है। उनका पता या चलभाष नम्बर किसी आर्य समाज से पता करें। वे उनके घर जा पहुँचे। पुस्तक मिल गई। फिर चलभाष पर पूछा, किस पृष्ठ पर यह प्रमाण है? मैंने कहा-श्रीराम जी का प्रसंग पढ़िये। काम बन गया। हम मूर्तिपूजक **नहीं**। हम **वेदनिष्ठ,** यज्ञ प्रेमी-रामभक्त आर्यसमाजी हैं। हमारा नाम कौन लेता है? हमारी भावना का तो अनादर ही होता है। सदा मूर्तियों की, मन्दिरों की दुहाई दी जाती है।

यदि जगत् मिथ्या है तो.....-कुछ वर्ष पहले की घटना है, हम कई जन **कालीकट** गये थे। डॉ. राधाकिशन जी, डॉ. हरिशचन्द्र जी, डॉ. अशोक आर्य और माननीय श्री सत्यव्रत जी भी उस कार्यक्रम में सम्मिलित थे। एक विशेष समारोह में, व्याख्यान के पश्चात् मुझे प्रश्नों के उत्तर देने थे। एक युवक ने प्रश्न किया आपने कहा है तीन अनादि पदार्थ हैं, परन्तु जगत्गुरु शंकराचार्य कहते हैं कि, ब्रह्म ही **एक** सत्ता, यह जगत् मिथ्या है। मैंने उत्तर देते हुये कहा कि प्रकृति (Matter) को विश्व के सब वैज्ञानिक **अनादि** और **अनश्वर** मानते हैं। संसार में पाप और पुण्य को भी पूरे विश्व में माना जाता है। जब पापी व धर्मात्मा भी जगत् में हैं तो, **जीव की सत्ता** भी **सिद्ध** हो गई। ब्रह्म को शंकर मानते हैं। जगत् के सृष्टि-**नियम** Laws of the universe हैं, तो नियमों का **नियन्ता मानना** ही पड़ता है। **तीन** अनादि पदार्थ तो सिद्ध हो ही गये।

अब रही बात जगत् 'मिथ्या' पर विचार करने की, यदि जगत्=मिथ्या है तो फिर 'जगत्-गुरु' के दो अर्थ हुये। या तो इसका अर्थ मानना होगा-'झूठा' गुरु और या मानों 'झूठों' का गुरु, झूठ का **उपदेश** देने वाला गुरु। अब आप ही निर्णय करें, कि शंकराचार्य जी को जगत्गुरु कहना क्या उनका **सम्मान** करना है या **अपमान**? मेरे इस उत्तर पर करतल ध्वनि हुई। श्री शंकर के केरल प्रदेश में महर्षि दयानन्द का **जयकार** गूंज उठा। तब मैंने यह भी कहा कि जगत् को **मिथ्या** मानने से जन कल्याण, उपकार, सुधार और सबके विकास का तो **अर्थ** ही कुछ न हुआ। आश्चर्य का विषय तो यह है कि मिथ्या मतों को जानते हुये भी, देशवासियों को **सत्य** को **जानने**, **मानने** व प्रचारित करने से **भय** लगता है और असत्य का परित्याग करने का **साहस नहीं** कर पाते।

बादाम, अखरोट खाने से बढ़ती है स्मरण शक्ति

रोजाना बादाम, पिस्ता, मूंगफली और अखरोट खाने से मनुष्य की स्मरण शक्ति बढ़ती है। अमेरिका की लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पाया कि इनके सेवन से मस्तिष्क के कार्य करने की शक्ति बढ़ जाती है।

इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने सभी तरह के नट्स (बादाम, पिस्ता, मूंगफली और अखरोट आदि) खाने वाले लोगों में **इलेक्ट्रिकल** गतिविधियों की निगरानी की विधि) की मदद से ब्रेन वेव सिग्नल का अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि **पिस्ता गामा किरणों** से, सबसे अधिक प्रतिक्रिया कर स्मरण शक्ति को बढ़ाता है और **सोने** के दौरान आंखों की गति को तेज करता है।

वहीं **मूंगफली** शरीर के रोग ठीक करने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। मूंगफली खाने से, नींद भी गहरी आती है। अन्य नट्स में अखरोट में सबसे अधिक **एंटीऑक्सीडेंट** की मात्रा पाई जाती है जो अन्य अणुओं के ऑक्सीकरण को रोकता है। पुराने शोधों में पाया गया था कि **बादाम** खाने से हृदय स्वस्थ रहता है और इसमें **कैंसर** से लड़ने में भी सहायता मिलती है। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी **धीमा** करने में सहायक होता है। ■■

साभार: दैनिक जागरण

उपस्थित हों - उपहार पाएँ

नवसंवत्सर 2075 (तद्नुसार वर्ष 2018) के शुभ आगमन को एक विशेष पर्व के रूप में, **रविवार, दिनांक 1 अप्रैल, 2018** को मनाया जाएगा। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि अपनी, उपस्थिति रजिस्टर में **प्रात: 9:15 बजे** तक अवश्य अंकित कर दें।

उपरोक्त उपस्थिति के आधार पर एक **Lucky Draw** द्वारा छ: उपस्थित व्यक्तियों को **आकर्षक पुरस्कार** द्वारा प्रात: 10:30 बजे कार्यक्रम की समाप्ति पर, सम्मानित किया जाएगा।

सभी सदस्य अपने परिवार एवं मित्रों सहित सम्मिलित होकर, भाग्यशाली विजेता बनें। पुरस्कार के पश्चात् **जलपान** की व्यवस्था है।

शुभकामनाओं सहित।

अप्रैल 2018 मास में साप्ताहिक सत्संग

दिनांक	वक्ता	विषय
01	श्री लक्ष्मीकान्त (9868418419)	सुमधुर भजन
08	डॉ. महावीर मीमांसक (9811960640)	वेद में विज्ञान और पदार्थ विज्ञान का विवेचन। (पूर्ववत)
15	**50वाँ वार्षिकोत्सव** (9 अप्रैल - 15 अप्रैल 2018 - कार्यक्रम अगले पृष्ठ पर)	
22	आचार्य वीरेन्द्र विक्रम (9899908766)	सायण-भाष्य होते हुए, दयानन्द भाष्य की आवश्यकता क्यों?
29	श्री वेद कुमार वेदालंकार (9810106562)	प्रवचन : क्या यही एक सक्षम प्रचार का साधन है?

सम्पादक: सतीश चन्द्र सक्सेना

मार्च मास में प्राप्त दान राशि:—

नाम	राशि	नाम	राशि	नाम	राशि
श्री अमित, सुजाता, सुनन्दा एवं ज्योति	10,000/-	श्रीमती उमा शर्मा	2,100/-	श्रीमती सुधा गर्ग	1,100/-
श्रीमती सुनीता शर्मा	4,000/-	श्री अजय	2,000/-	श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा	1,100/-
श्री अनिल बहल	3,100/-	श्रीमती शशि मल्होत्रा	1,100/-	श्री आर.के. सुमानी	1,000/-
श्री राम कुमार मेला राम चैरिटेबल ट्रस्ट	3,100/-	श्रीमती सुदेश चोपड़ा	1,100/-	श्रीमती चन्दु सुमानी	1,000/-
श्री राजीव तलवार	2,500/-	श्री विजय ढल	1,100/-	श्री गौरव सुमानी	1,000/-
		श्री सुख सागर ढींगरा	1,000/-	श्रीमती प्रभा खाण्डपुर	1,000/-
		श्री एस.एस. गुप्ता	1,100/-	श्री के.के. कौल एवं परिवार	700/-

मार्च माह में पुरोहितों द्वारा एकत्रित धनराशि :

- श्री वेद कुमार वेदालंकार ₹ 1,000/-
- आचार्य वीरेन्द्र विक्रम ₹ 19,740/-

वैदिक सैन्टर के लिए प्राप्त दान राशि :

- श्री ईश्वर दास कौशिक ₹ 10,000/-
- श्रमीती सविता शर्मा ₹ 10,000/-

नव सम्वत्सर 2075 और आर्य समाज स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

॥ओ३म्॥

आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश -1 (पंजी.), नई दिल्ली-110048

50वाँ वार्षिकोत्सव

(स्वर्ण जयंती समारोह)

दिनांक : सोमवार 9 अप्रैल से रविवार 15 अप्रैल 2018

भाइयों एवं बहिनों,

सादर नमस्ते!

आपको जानकर हर्ष होगा कि आर्य समाज कैलाश-ग्रेटर कैलाश-1, का **50वाँ वार्षिकोत्सव** उपरोक्त तिथियों में समाज के प्रांगण में आकर्षक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जा रहा है।

इस बार वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रवचन के लिए उच्चकोटि के वैदिक विद्वानों डॉ. वेद पाल एवं डॉ. वागीश आचार्य जी को आमंत्रित किया गया है।

यदि आपके मन में आध्यात्मिक, व्यावहारिक, पारिवारिक व सामाजिक विषयों पर कोई प्रश्न या शंका है तो समाधान जानने का अवसर मिलेगा।

जिज्ञासु जन अपने प्रश्न व शंकाएं पूर्व लिखित में दें।

ऋग्वेद महायज्ञ

यज्ञ - प्रवचन- **प्रातः 7:00 से 8:30 बजे तक (9-14 अप्रैल 2018)**
प्रातः 8:00 से 9:30 बजे तक (15 अप्रैल 2018)

सोमवार 9 अप्रैल से शनिवार 14 अप्रैल 2018 तक

यज्ञ और प्रवचन : प्रातः 7:00 से 8:30 बजे तक

ब्रह्मा : डॉ. वेदपाल

सहयोगी : पं. वेद कुमार वेदालंकार एवं आचार्य वीरेन्द्र विक्रम

भक्ति संगीत एवं प्रवचन : सायं 6:30 से 8:30 बजे तक

भजन : श्री अंकित उपाध्याय (9-11 अप्रैल)
: श्री लक्ष्मीकांत (12-14 अप्रैल)
सायं 6:30 से 7:30 बजे तक

प्रवचन : डॉ. वेदपाल
सायं 7:30 से 8:30 बजे तक

विषय
09.4.18 सुख का मूल।
10.4.18 जीवन के प्रति वैदिक दृष्टि।
11.4.18 कर्म सिद्धान्त।
12.4.18 किसे मारें किसे बचाएं?
13.4.18 महर्षि दयानन्द-चिन्तन वैशिष्टय।
14.4.18 डॉ. वेदपाल - सौन्दर्य
डॉ. वागीश आचार्य-क्या यह संसार असार है?

मुख्य समारोह-कार्यक्रम

रविवार, 15 अप्रैल 2018

समय : प्रातः 8:00 से दोपहर 1:30 बजे तक

पूर्णाहुति : प्रातः 8:00 से 9:30 बजे तक

प्रसाद वितरण : प्रातः 9:30 से 10:00 बजे तक

अध्यक्ष : महाशय धर्मपाल जी
(चेयरमैन, एम.डी.एच. एवं प्रधान-आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली)

आशीर्वाद : स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती एवं श्रीमती सन्तोष मुंजाल

मुख्य अतिथि : श्री पवन मुंजाल (चेयरमैन, एम.डी., सी.ई.ओ. हीरो मोटोकॉर्प लि.)

विशिष्ट अतिथि : श्रीमती मीनाक्षी लेखी (सांसद), श्री सौरभ भारद्वाज (विधायक), श्रीमती शिखा राय (नेता सदन, एस.डी.एम.सी.), श्री सुभाष आर्य (पूर्व महापौर)

विशेष आमंत्रित : श्री रामनाथ सहगल, श्री धर्मपाल आर्य, श्री विनय आर्य, डॉ. अशोक चौहान, डॉ. अमीता चौहान, श्री आनन्द चौहान, ठाकुर विक्रम सिंह, श्री अजय सहगल, श्री सुधीर मुंजाल, श्री रजनीश गोयनका, श्री योगराज अरोड़ा, श्री गुनमीत सिंह

भवन नामकरण समारोह

(समय : 10:45 से 11:30)

वैदिक केन्द्र : **बृजमोहनलाल मुंजाल वैदिक केन्द्र**

अतिथि गृह : **महाशय धर्मपाल अन्तर्राष्ट्रीय अतिथि गृह**

वैदिक केन्द्र गतिविधियाँ : श्री राजीव चौधरी

अध्यक्षीय सम्बोधन : महाशय धर्मपाल

मुख्य अतिथि सम्बोधन : श्री पवन मुंजाल

सम्बोधन : श्री धर्मपाल आर्य-प्रधान, दि.आ.प्र.नि.स
: श्री विनय आर्य-मंत्री, दि.आ.प्र.नि.स

स्वर्ण जयंती स्मारिका विमोचन

उपनिषद् कक्षा : वेद संस्थान, राजौरी गार्डन

प्रमाण-पत्र वितरण

प्रवचन : डॉ. वागीश आचार्य, डॉ. वेदपाल

धन्यवाद एवं शान्ति पाठ : श्री विजय लखनपाल, प्रधान

मंच संचालन : श्री वेद कुमार वेदालंकार, श्री राजेन्द्र वर्मा

प्रीतिभोज : दोपहर 1:30 बजे से